

४६२-II

भारत सरकार द्वारा प्रकाशित
श्री महाविद्यालय

१७३ हसमन २२५ मि वे साषसुदि १ स ॥ १७४ वज्रस
तः वज्रधनयाः वसाधं याडादिन स ॥ आचार्य गुथि
नसमूचयन याडाः नाहार्कलंद वज्रयावगुवा
यनत विनमा गृह यावाक स थायना रू याडा विक्काक
कः ॥ वज्रसलया सिलापु सवायातक गजमानद
कः आचार्य गुथि सलज झाडाडा अधिका नालना
अधिका नविय धनः नलविनया नागनामिः गुथिजन

सनहलः धनलिया आचार्य गुथिनः धनमानयिक्
यजाया आमदानि रू कायाडाः वर्षपति सवादि हय
गुथिवलं रू गुदिन स कयां रू १ वि पूजा राया धउप्य
यां सः यजा धनकाडाः धदवता विक्काकाडा साला हयाडा
गुथिवाक स थायना या डाडाः सनहः वा ला थं पूजाया
यमाललः थलि रू विंडन चलयायमालः सूत्रयायमदलल

ॐ नमो रत्न त्रयाय ॥ ॐ नमो लोक रणी था
य ॥ ॐ नमो आर्या व लोकि त्पे स्वराय नमः ॥
१ ॥ ॐ नमो वज्र नाडु लोके स्वराय नमः ॥ ॐ
नमो वज्र पाणि लोके स्वराय नमः ॥ ॐ नमो प
द्म पाणि लोके स्वराय नमः ॥ ॐ नमो नृत्य राणा

डु लोके स्वराय नमः ॥ ॐ नमो विद्या पति लो
के स्वराय नमः ॥ ॐ नमो ईश्व नाथ लोके स्व
राय नमः ॥ ॐ नमो वज्र स्फुट लोके स्वराय न
मः ॥ ॐ नमो विष्णु का ना लोके स्वराय नमः ॥
ॐ नमो क्रीतांजलि लोके स्वराय नमः ॥ ॐ

नमो उत्तमालोके स्वराय नमः॥ ओं नमो
मज्जदत्तलोके स्वराय नमः॥ ओं नमो सा
नेलोके स्वराय नमः॥ ओं नमो चिन्मनी
लोके स्वराय नमः॥ ओं नमो ज्ञानधातु
लोके स्वराय नमः॥ ओं नमो धातुलोके

स्वराय नमः॥ ओं नमो वज्रधातुलोके स्व
राय नमः॥ ओं नमो मंजुभुतलोके स्वराय
नमः॥ ओं नमो विंशतिलोके स्वराय नमः॥ ओं
नमो सुखावतिलोके स्वराय नमः॥ ओं नमो
मध्यासार्थवाहलोके स्वराय नमः॥ ओं नमो

सुप्रभाथवाहलोकेस्वरगयनम॥ॐ नमोऽ
मीती भलोकेस्वरगयनम॥ॐ नमोऽआणी
द्वारिलोकेस्वरगयनम॥ॐ नमोऽमहवज्रस
त्तिलोकेस्वरगयनम॥ॐ नमोऽसिंहनादलो
केस्वरगयनम॥ॐ नमोऽहलाहललोकेः

स्वरगयनम॥ॐ नमोऽद्वसचक्रलोकेस्वः
रगयनम॥ॐ नमोऽखदशारिलोकेस्वरगय
नम॥ॐ नमोऽखरविरलोकेस्वरगयनम
॥ॐ नमोऽशक्तालोकेस्वरगयनम॥ॐ न
मोऽब्रह्मलोकेस्वरगयनम॥ॐ नमोऽअमो

वप्राशलोकोस्वरायनमः॥ओं नमो वृक्षलोको
स्वरायनमः॥ओं नमो कमलवर्धलोकोस्वर
ायनमः॥ओं नमो पित्रलोकोस्वरायनमः॥ओं
नमो कानरावाहलोकोस्वरायनमः॥ओं नमो
श्रीमहलोकोस्वरायनमः॥ओं नमो पशुपति

लोकोस्वरायनमः॥ओं नमो लोकनाथलोको
स्वरायनमः॥ओं नमो लोकस्वरलोकोस्वरायन
मः॥ओं नमो गीतलोकोस्वरायनमः॥ओं नमो मा
यीजालहलिहललोकोस्वरायनमः॥ओं नमो
त्रैलोक्यवसनलोकोस्वरायनमः॥ओं नमोः

कुलस्थालोकेस्वरायनमः॥ ओं नमो निलकंठ
लोकेस्वरायनमः॥ ओं नमो मायाजाललोके
स्वरायनमः॥ ओं नमो हि

१५
॥ ५ ॥

१५
॥ ५ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय

अमरलन वज्रावाय सुरत श्री महाविहार

II-238

अनर्जसल - श्रीकलदेवता - २ - श्रीलव
देवता - श्रीइकदेवता - ३ - अदियकन ५ ॥ ॥
धर का कादेवता आना भनाया ~~का~~ दा श्री
नर्जसल यनना हान य जाया श्रीमाल -
भयाना यनना गु धा हान यनन मित्र निहान

आइता श्रीमान आना श्री चकुधि न जाना
श्री न जान द न जाना श्री लहनीन धर सल
आल स चयन दु गु आना श्री गु धा द श्री काइ
लान श्री सुमिल श्री दिव्यनचल श्री श्रीमाल का ज
आ गु लि स चा गु का वि का का चल श्री श्री

मिशन

लथुजासायुयुदिननेत्रठुकासाकुक्
मीनले॥यन्ममानेकतोसासाभानःध्वाने
यत्रसादृसादिथडापूरकिजेनननसिंवमनाम
नजानामथडामीनातजानामजोगमाःलिमि
मिथवज्ञानीनाथ॥त्यमम॥८४नेत्रठुदिनेसादृ
मिथवज्ञानीनाथ॥त्यमम॥८४नेत्रठुदिनेसादृ

पुजमाजोलन॥यादि१कोतो जोर१मि
धमन॥

एषव न ८८ पंमि वे न वदि ६ श्री ज २ स शचार्य
प्रथमः शचार्य हापि न थि २ दय का व वि या न
कजि रु या शचार्य सा गउथ लो ज न क माल खरा
च लो ज मालः गउथ यान थ क मा य या य ज्ञान मुका
॥ अहः अ य वा लो ज न म न कु ल धा साः इथ रु डाल
न क माः कृ निः न क ॥ मा हः थ क वि य मालः अ य

अ नित का २॥ कजि क या न वि य मा न

वा क जि म रु ल धा सा गउथि न लु डा वि ल धा सा गउथि
या न थ क वि यः माल न का ५ श्री हः
य मा गालः कि वा जा किः द्या द हि नाः हा द हि नाः द्या
नि द्या निः माल रु ल

१ म उपात्रा कनयायः पुरु इच्छि यायः यन
मोधि नाका इ न यमा लः कजिकया लयडा
इज पिम रान न मो यडा न साः गु थन विरयमा न ह
त्व व का र्छि अदि विरयमा नः त्रु वा विरय इडा
न यानः सक सिना विरयमा नः पा वा स न य पा

नै ००
ना क न य मा नः वृ न छि व डि मा र्थ या वृ लः या सा
न य मा न छि मो धि श छि स म नः का का न य गु थ
पी या ना क या न य मा नः रु ड स पा ना क नः दि वा
पै नाः ख व ड पा वा स न यः पा ना क न न यः न ख व
म गु थ न श न व ड इ इ क न म इ ~~XXXXXXXXXX~~

ॐ ओं

ॐ

म न

१० कि विरय ॐ कं माना ॐ १ दिना ३३ अकि